सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 308 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 16 दिसम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

ज्ञान को लगातार सुधारना, चुनौती देना, और बढ़ाना होता है, नहीं तो वो गायब हो जाता है।
-पीटर ड्रकर

एक बार फिर तीसरे टेस्ट में लड़खड़ाई... 7 | ममता-आजम ने गरमाया सियासी... 3 | भाजपा की विदेश नीति विफल... 2

विधानसभा में सपा ने योगी सरकार पर जमकर छोड़े तीर

शीतकालीन सत्र में विपक्ष का जोरदार हंगामा, भाजपा पर लगाये तीखे आरोप

» नेता प्रतिपक्ष बोले- प्रदेश का माहौल खराब कर रही सरकार

» सरकार बोली- राज्य में कम हुए हैं सात सालों में अपराध

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा का शीतकालीन सत्र सोमवार को हंगामे के साथ शुरू हो गया। हंगामा कर रहे समाजवादी पार्टी विधायक स्पीकर के पास पहुंचे गए और जमकर नारेबाजी की। इस बीच उन्होंने कई मुद्दों पर योगी सरकार पर आरोपों के तीर छोड़े। विपक्ष ने बैठक शुरू होते ही बीजेपी की योगी सरकार को संभंल , बहराइच के दंगों समेत कई मुद्दों पर घेरा। बार-बार मना करने पर भी जब सपा विधायक नहीं माने तो विधानसभा की कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया।

समाजवादी पार्टी ने बहराइच और संभल का मुद्दा सपा प्रमुखता से उठाया। सत्र एक घंटे के लिए स्थगित कर दिया, इस बीच दिवंगत नेताओं को याद किया गया। इससे पहले विधानसभा और विधान परिषद विधायक दल की अलग-अलग हुई बैठक में इस बाबत रणनीति तैयार की गई। सपा के विधानसभा और विधान परिषद सदस्यों की बैठक में कानून-व्यवस्था और किसानों के मुद्दे भी प्रमुखता से उठाने का फैसला किया गया। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि भाजपा राज में कानून-व्यवस्था चौपट हो चुकी है। भाजपा सरकार ने संभल और बहराइच में पुलिस और प्रशासन का खुलेआम दुरुपयोग किया। झूठे मुकदमे लगाए। गन्ना किसानों को समय से भुगतान नहीं हो रहा है। खाद भी नहीं मिल पा रही है। सपा इन मुद्दों को लेकर सड़क पर संघर्ष पहले से ही कर रही है, अब सदन में भी करेगी।

फोटो: सुमित कुमार

भाजपा सरकार सदन नहीं चलाना चाहती : शिवपाल

समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा, राज्य में कई मुद्दे हैं और भाजपा सरकार सदन नहीं चलाना चाहती. अगर सदन नहीं चलेगा तो हम ये मुद्दे कैसे उठाएंगे? विपक्ष सदन चलाने के लिए तैयार है, हम सभी मुद्दों पर चर्चा चाहते हैं, मौजूदा सरकार अब तक की सबसे भ्रष्ट और धोखेबाज सरकार है।

सपा के सदस्यों ने हाथों में तख्ती लेकर किया प्रदर्शन

राजधानी लखनऊ में सोमवार से विधानमंडल का सत्र शुरू होना है। इससे पहले समाजवादी पार्टी के विधायक और विधान परिषद सदस्य विधानसभा में एकत्र हुए। एक जुट होकर चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के पास प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने नारेबाजी करते हुए सरकार को घेरा। फसलों की एमएसपी का वादा अधूरा, बेरोजगारी से युवा बर्बाद, पेपर लीक से नौजवान में बेहाल, पुलिस अत्याचार व अन्य मुद्दों पर नारे लिखी तख्तियां हाथों में लेकर जमकर नारेबाजी की।

राम नाम बोलना कहां से सांप्रदायिक : योगी

सीएम योगी ने कहा कि मिलने पर राम राम बोलते हैं। अंतिम यात्रा में राम नाम सत्य बोलते हैं। राम नाम बोलना कहां से सांप्रदायिक हो गया। विपक्ष को निशाने पर लेकर कहा कि आप लोग सत्य पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में सांप्रदायिक दंगों में 97 फीसदी तक की कमी आई है। 2012-2017 के दौरान सपा के कार्यकाल के दौरान 815 सांप्रदायिक दंगे हुए। इसमें 192 लोगों की मौत हुई। इससे पिछले कार्यकाल में भी 616 दंगे हुए।

जिसमें 121 लोगों की मौत हुई। विधानमंडल का शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा सत्र अत्यंत गौरव का क्षण है। कहा कि पीएम मोदी के विकसित भारत अभियान के साथ यूपी पूरी जी जान से जुड़ा है। विकसित भारत बनाने में यूपी अहम भूमिका निभा रहा है। आजादी के आंदोलन से लेकर आज तक यूपी देश को आगे बढ़ाने में सहयोगी है।

विस में सपा विधायकों से मिलते दिखे मंत्री राजभर

जब विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने वाली थी, इस दौरान तमाम विधायक और मंत्री एक-दूसरे सदस्यों से मिल रहे थे। तभी मंत्री ओम प्रकाश राजभर से भी कुछ समाजवादी पार्टी के विधायकों ने हाथ मिलाया। सपा विधायक अभय सिंह और मनोज पांडेय भी मंत्री ओम प्रकाश राजभर से शिष्टाचार मुलाकात करने पहुंचे। हालांकि अब ये दोनों ही विधायक बीजेपी के समर्थन में हैं। इसके अलावा भी तमाम सदस्यो ने एक-दूसरे से शिष्टाचार मुलाकात की।

यूपी आज सांप्रदायिकता की ओर बढ़ रहा : माता प्रसाद पांडेय

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह घटना पुलिस-प्रशासन की लापरवाही से हुआ। इसकी जांच करानी चाहिए। संभल घटना पर कहा कि सर्वे के दौरान विवाद की आशंका थी। सरकार को यह पता था तो कोर्ट में पुनर्निरीक्षण याचिका डालनी चाहिए। कहा कि अध्यक्ष महोदय मंदिर का कोई विरोधी नहीं है। हम सभी के घरों में मंदिर है। कहा कि अध्यक्ष महोदय यूपी आज सांप्रदायिकता की ओर बढ़ रहा है। प्रदेश को सांप्रदायिकता की आग में जाने से बचाइए। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि बहराइच में जिस रास्ते से जुलूस निकला था, उस रास्ते में हर वर्ष भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात रहती थी। इस बार पुलिस बल नहीं दिया गया। जबकि उस थाना क्षेत्र के थानाध्यक्ष ने एसपी से अतिरिक्त पुलिस बल मांगी थी। लेकिन, अतिरिक्त पुलिस बल नहीं दिया।

खरगे व सीतारमण में वार-पलटवार

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में संविधान पर बहस की शुरुआत की। उन्होंने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला उनके भाषण के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे उन पर पलटवार किया। खरगे ने कहा जिन्होंने संविधान का अपमान किया, वो हमें पढ़ा रहे हैं। उन्होंने सीतारमण पर टिप्पणी करते हुए कहा कि 'उनकी इंग्लिश और हिंदी अच्छी हो सकती है, लेकिन करतूत नहीं'। बता दें संसद के शीतकालीन सत्र के तहत सोमवार को एक बार फिर दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) की कार्यवाही शुरू हुई। मल्लिकार्जुन खरगे ने बीजेपी पर हमला करते हुए कहा कि जो लोग राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करते हैं, संविधान का अपमान करते हैं, जिस दिन संविधान लागू हुआ उस दिन इन्होंने महात्मा गांधी और भीमराव अंबेडकर का पुतला जलाया, अब वो लोग हमें पाठ पढ़ा रहे हैं। मल्लिकार्जुन खरगे ने बीजेपी नेताओं पर हमला करते हुए कहा कि वे लोग जेएनयू में पढ़े हुए हैं और हम नगर निगम से पढ़े हुए हैं, उनकी इंग्लिश अच्छी हो सकती है, हिंदी अच्छी हो सकती है, लेकिन करतूत अच्छी नहीं हो सकती।

राज्यसभा

भाजपा की विदेश नीति विफल : अखिलेश यादव

सपा प्रमुख बोले- विदेश में रह रहे अपने लोगों की सुरक्षा नहीं कर पा रही है सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के मुद्दे पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सरकार को घेरा। कहा कि बांग्लादेश में जो हो रहा है वह विदेश नीति की असफलता है। एक संत को जेल में डाल दिया गया। वहां लोगों के साथ गलत व्यवहार हो रहा है। इसका मतलब है विदेश नीति गड़बड़ है। भाजपा सरकार पड़ोसी देशों से संबंध ठीक नही रख पा रही है। विदेश में रह रहे अपने लोगों की सुरक्षा नहीं कर पा रही है। यह केंद्र सरकार की विफलता है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को एक कार्यक्रम में कहा कि पीडीए की एकता और ताकत से भाजपा घबराई हुई है। पीडीए जितना मजबूत और एकजुट होगा, भाजपा उतना ही ज्यादा सांप्रदायिक राजनीति करेगी। भाजपा के पास महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार का कोई जवाब नहीं है। अखिलेश ने कहा कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय और दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और किसानों को उनका हक और सम्मान दिलाने के लिए संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर हर जगह खोदाई होगी तो देश आगे नही बढ़ेगा। अगर विकसित भारत बनाना है तो सबका सम्मान करना होगा।

हम चुनाव जीतकर ईवीएम को हटाएंगे

सपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री ने दस साल पहले गंगा सफाई का वादा किया था, लेकिन कानपुर और कन्नौज समेत तमाम जगह नाले गंगा में जा रहे है। समाजवादी पार्टी हमेशा से ईवीएम के खिलाफ है। हम ईवीएम से चुनाव जीतकर ईवीएम को हटाएंगे।

17 को बैठक करेंगे अखिलेश यादव

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव 17 दिसंबर को विधानमंडल दल की बैठक करेंगे। वे दो दिन चल चुके सदन की कार्यवाही पर सदस्यों के साथ बात करेंगे, साथ ही अगले दो दिन के लिए जरूरी निर्देश देंगे। वन नेशन-वन इलेक्शन का बसपा ने किया समर्थन, संविधान को लेकर भाजपा-कांग्रेस दोनों को घेरा।

केंद्र सरकार पर भड़के पूर्व केंद्रीय मंत्री रामजी लाल सुमन

आगरा में समाजवादी पार्टी सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री रामजी लाल सुमन ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ सांप्रदायिक हिंसा पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। इसे केंद्र सरकार की विफलता करार देते हुए कहा कि बांग्लादेश जैसा छोटा देश जो भारत पर निर्भर है वहां अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री को सीधा दखल देना चाहिए। सपा सांसद ने इस समस्या का हल बताते हुए कहा कि 1950 में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू और पाकिस्तान के पीएम लियाकत अली के बीच दोनों देशों में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर समझौता हुआ था। उस समय बांग्लादेश पाकिस्तान का हिस्सा था। इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों में शांति और आपसी सौहार्द कायम रखना था।

रामजी लाल ने प्रेसवार्ता में कहा कि बांग्लादेश की 17 करोड़ आबादी में डेढ़ करोड़ हिंदू, 10 लाख बौद्ध, 5 लाख ईसाई अल्पसंख्यक समुदाय है। समाजवादी पार्टी दुनियाभर में अल्पसंख्यक हितों की पक्षधर है। भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान सहित दुनियाभर के 150 से ज्यादा देशों में 1992 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के घोषणापत्र से बंधे हुए हैं। जिसमें जातीय, धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों के अधिकारों का संरक्षण शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार यदि बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्याएं नहीं रोक पा रही तो उसे अंतरराष्ट्रीय पटल पर अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाना चाहिए। प्रेसवार्ता में सांसद प्रतिनिधि धर्मेंद्र यादव, सलीम शाह, गौरव, डॉ.वीरेंद्र चौहान, गौरव यादव, मदन मोहन गर्ग, फैजानुद्दीन आदि मौजूद रहे।

राज्य सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरेगी कांग्रेस : अजय राय

» बोले- प्रदेश में महिलाओं व कर्मचारियों पर अत्याचार बढ़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में कांग्रेस ने 18 दिसंबर को होने वाले विधानभवन घेराव को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। इस क्रम में सभी जिलों में पूर्व विधायकों को लोगों को जोड़ने के लिए पर्यवेक्षक बनाया गया है। इस रणनीति के जरिये पार्टी ने दो लक्ष्य साधे हैं। पहला, विरोध प्रदर्शन के लिए ज्यादा भीड़ जुटाई जा सकेगी, वहीं दूसरी ओर पूर्व विधायकों को सक्रिय होकर कौशल दिखाने का मौका दिया है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बिजली के निजीकरण और महिलाओं पर अत्याचार बढ़ने आदि आरोप लगाते हुए 18 दिसंबर को विधानभवन घेराव की घोषणा की है। शनिवार को सभी 75 जिलों में घेराव के लिए पर्यवेक्षक के तौर पर पूर्व विधायकों, पूर्व एमएलसी व पूर्व मंत्रियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। पार्टी के निवर्तमान प्रदेश महासचिव संगठन अनिल यादव ने कहा कि यह प्रदर्शन भाजपा के कुशासन के विरोध में है। पार्टी की ओर से जारी सूची में पर्यवेक्षकों को उनका गृह क्षेत्र नहीं दिया गया है। इसमें पूर्व विधायक सतीश आजमी को लखनऊ और पूर्व मंत्री राजबहादुर को बाराबंकी की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह अन्य जिलों के लिए भी घोषणा की गई।

सत्र के दौरान सुरक्षा के हों पुख्ता इंतजाम : केशव मौर्य

विधानमंडल का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है। सदन के बाहर और भीतर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उपमुख्यमंत्री और विधान परिषद में नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। डिप्टी सीएम ने अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए।

विधानभवन में हुई बैठक में उन्होंने प्रदेश में हाल में हुई आपराधिक घटनाओं पर चर्चा की। ताकि विधान परिषद में इन घटनाओं को लेकर उठने वाले सवालों का जवाब दिया जा सके। उन्होंने कहा कि सत्र के दौरान यातायात और कानून व्यवस्था का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ में भी सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा की और इसे सुदृढ़ बनाने को कहा।

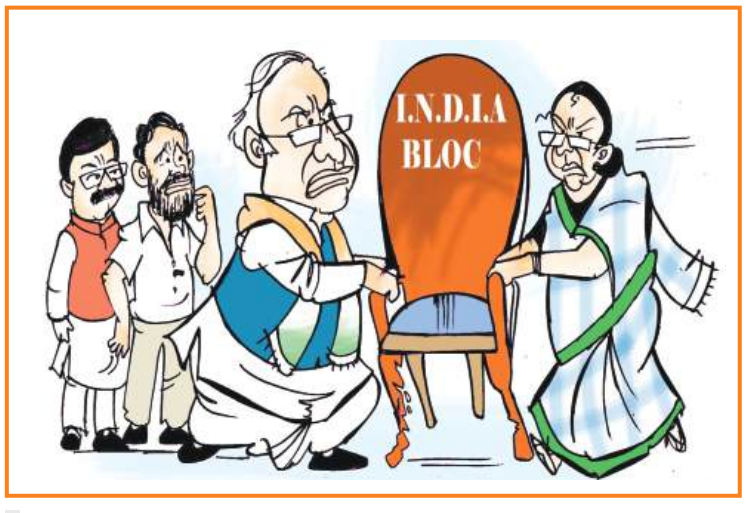

वन नेशन-वन इलेक्शन पर राजनीति ठीक नहीं : मायावती

विधेयक के समर्थन में आई बसपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने केंद्र सरकार की ओर से वन नेशन-वन इलेक्शन विधेयक पेश करने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव होने से बसपा पर कम बोझ पड़ेगा। जल्दी चुनाव आचार संहिता न लगने से जनहित के कार्य भी ज्यादा नहीं प्रभावित होंगे। इस मुद्दे की आज में राजनीति करना ठीक नहीं है। सभी पार्टियों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर देश व जनहित में कार्य करना चाहिए।

उन्होंने अपने जारी बयान में कहा कि संसद में संविधान को लेकर विशेष चर्चा में कांग्रेस और भाजपा के बीच घिसे-पिटे पुराने आरोप-प्रत्यारोप और हम से ज्यादा तुम दोषी जैसी संकीर्ण राजनीति का स्वार्थ ज्यादा दिख रहा है। संविधान और उसके रचयिता डॉ. भीमराव आंबेडकर को सम्मान देने के मामले में सत्तारूढ़ पार्टियों ने अपनी संकीर्ण सोच व जातिवादी राजनीति से इसे फेल करने का काम किया है। यह स्थिति देश के लिए दुखद और लोगों के भविष्य के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।

शासक दल यह स्वीकार करें कि उन्होंने संविधान पर सही से अमल करने में ईमानदारी व देशभक्ति निभाई होती तो देश का हाल आज इतना बदहाल नहीं होता। करीब 80 करोड़ लोगों को रोजगार के अभाव में अपनी भूख मिटाने के लिए थोड़े से सरकारी अनाज का मोहताज नहीं होना पड़ता। इस मुद्दे पर दोनों पार्टियां संसद में ही चुप रहती तो उचित होता।

कांग्रेस की मिलीभगत से सपा ने पदोन्नति में आरक्षण संबंधी संशोधन विधेयक को संसद में फाककर फेंक दिया था। भाजपा भी इसे पास कराने के मूड में नहीं है। संसद के नेता विरोधी दल राहुल गांधी तो आरक्षण को ही सही वक्त आने पर खत्म करने का एलान कर चुके हैं।

आरक्षण के मुद्दे पर सपा-कांग्रेस एक जैसे

इस चर्चा में सत्ता व विपक्ष को सुनकर ऐसा लगता है कि अपने स्वार्थ में इन्होंने संविधान का राजनीतिकरण कर दिया है। कोई संविधान की प्रति (कॉपी) को माथे पर लगा रहा है तो कोई अपने हाथ में लेकर दिखा रहा है। इसकी आज में देश व जनहित के जरूरी मुद्दे दरकिनार हो रहे हैं। कांग्रेस व सपा ने आरक्षण को लेकर हवाई बातें कही हैं।

कांग्रेस करे गठबंधन का नेतृत्व : पप्पू यादव

» राहुल-प्रियंका में पीएम मोदी के खिलाफ लड़ने की ताकत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पूर्णिया। 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस बड़े भाई की भूमिका निभाए। चुनाव कांग्रेस के नेतृत्व में लड़ा जाना चाहिए। बिहार में क्षेत्रीय पार्टियों को हरियाणा और महाराष्ट्र से सीख लेनी चाहिए। पप्पू यादव ने कहा कि मेरी इच्छा है कि सीएम नीतीश कुमार भी साथ आएं, लेकिन गठबंधन में किनको शामिल किया जाए, इसे राहुल गांधी खुद तय करें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनी तो प्राइवेट सेक्टर में आरक्षण का प्रावधान किया जाएगा।

उक्त बातें रविवार को पूर्णिया के अर्जुन भवन में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान सांसद पप्पू यादव ने कही है। सांसद पप्पू यादव ने कहा कि नरेंद्र मोदी के खिलाफ अगर किसी में लड़ने की ताकत है तो वो राहुल और प्रियंका गांधी हैं। इसलिए बिहार में गठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस करें। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस बिहार में नए साल में 15 जनवरी के बाद से अपने संगठन का विस्तार करने के साथ मजबूत करेगी। कांग्रेस नेतृत्व पार्टी पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित करेगी।

ममता-आजम ने गरमाया सियासी माहौल!

आजम की चिट्ठी ने सपा व भाजपा को सहमाया

» बंगाल से यूपी तक दोनों नेता छाए

» ममता के तेवर से घबराई बीजेपी व कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में सियासी गहमागहमी केवल चुनावों के दौरान ही नहीं बनी रहती है ये आम दिनों में भी बनी रहती है। आज कल बंगाल व यूपी दोनों सियासी केंद्र में बने हुए हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जहां इंडिया गठबंधन की कमान लेने की बात कहकर सुर्खियों में है तो यूपी के दिग्गज मुस्लिम नेता आजम खां भी चर्चा में आ गए हैं। उनकी चर्चा में आने की वजह उनका वो खत है जिसमें उन्होंने इंडिया गठबंधन पर आरोप लगाया है कि ये एलायंस मुस्लिमों के मामले में अपनी बात नही रख पा रहा है जिसकी वजह से सरकार ज्यादती कर रही है।

गौरतलब हो पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर केंद्र की भाजपा नीत सरकार के द्वारा अल्पसंख्यकों को लेकर तुष्टीकरण से लेकर बंगाल में बांग्लादेशियों को शरण देने का आरोप लगाया जाता रहा है। लेकिन इन दिनों बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं और मीडिया में उक्त खबरें हर रोज आ रही है। ऐसे में भले ही देश के पीएम नरेंद्र मोदी का उक्त मुद्दे पर कोई बयान नहीं आया है लेकिन ममता बनर्जी ने सशक्त तौर पर इस अंतरराष्ट्रीय मुद्दे को उठाया है और बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार को नाकाम तक करार दिया है। ममता बनर्जी ने बांग्लादेश से उपजे एक बयान का जवाब देते हुए साफ कहा कि, अगर वह लोग बिहार, बंगाल ओडिशा जैसे हमारे देश के राज्यों पर कब्जे की बात करेंगे तो वह बैठकर लॉलीपॉप नहीं चूसेगी। साथ ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बेहद गंभीर और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बात कही। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य विधानसभा में कहा कि, बांग्लादेश के हालात पर यूएन हस्तक्षेप करे और वहां विशेष शांति सेना भेजे। बहरहाल दो देशों को सामने रख कर अगर सरल शब्दों में राजनीति व कूटनीति की बात करे तो कहा जा सकता है कि राजनीति में कब क्या बदल जाए कोई कह नहीं सकता। यहां कुछ भी दावे के साथ स्थायी नहीं होता है। लेकिन कूटनीति की बात करे तो कहा जा सकता है कि जब बात देश व उससे जुड़े लोग और मुद्दों की बात हो तो वहां राजनीति नहीं की जा सकती बरन वहां कूटनीति ज्यादतर कारगर होती है। देखा जाए तो उपरोक्त मुद्दे पर ममता बनर्जी एक कदम आगे निकली दिख रहीं है।

मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर सपा की हार के बाद अब आजम की नाराजगी

जेल जाने से पहले तक समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री आजम खान की गिनती यूपी के बड़े मुस्लिम नेताओं के रूप में होती थी। मुलायम सिंह के वह सबसे खास हुआ करते थे। आजम के सहारे ही मुलायम सिंह मुस्लिम वोटरों को लुभाते थे। खासकर पश्चिमी यूपी में तो सपा के लिये आजम की राह पर चलना ही सबसे आसान तरीका समझा जाता था। सत्ता में रहते अखिलेश ने भी आजम को महत्व दिया, लेकिन योगी सरकार के आने के बाद आजम खान पर जब मुसीबतों का पहाड़ टूटा तो अखिलेश ने आजम को एक तरह से अकेला ही छोड़ दिया। जब तमाम नेता आजम से मिलने जेल पहुच जाया करते थे तब अखिलेश के मन में सीतापुर जेल में बंद अपने इस मुस्लिम नेता के प्रति वफादारी का भाव नहीं दिखा। यहां तक की अखिलेश द्वारा आजम के गृह जिला रामपुर के बारे में भी सियासी फैसले में उन्हें अनदेखा किया जाने लगा। इतना सब होते हुए भी आजम ने अखिलेश के खिलाफ कभी सार्वजनिक मंच से कोई बयान तो नहीं दिया,लेकिन दोनों नेताओं के बीच दूरियां सबको दिखने लगी थीं। जिस तरह से रामपुर में लोकसभा का टिकट आजम की बिना मर्जी के दिया गया और संभल के सांसद पर एफआईआर को सपा ने प्रमुखता दी, उससे कहीं न कहीं आजम का सब्र जबाव दे गया। क्योंकि अखिलेश की अनदेखी ने आजम के गृह जनपद रामपुर के साथ-साथ पश्चिमी यूपी में उनके सियासी अस्तित्व पर संकट खड़ा कर दिया है।उत्तर प्रदेश की नौ विधान सभा सीटों पर हुए उपचुनाव में जिस तरह से समाजवादी पार्टी को मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था,उसके बाद आजम की नाराजगी सपा प्रमुख के लिये मुसीबत का सबब बन सकता है।

बांग्लादेश में शांति सेना भेजकर शांति स्थापित की जाए : ममता

भारत हमेशा से विश्व में शांति का प्रतीक रहा है। ममता बनर्जी ने कहा कि इस समय बांग्लादेश में टकराव का माहौल बन गया है। इसे निपटाने के लिए अंतरिम युनुस सरकार नाकाम नजर आती है। ऐसे में शांति सेना भेजकर वहां पर शांति स्थापित की जाए। ममता बनर्जी ने उक्त अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर मोदी सरकार के साथ खड़े होने की बात करते हुए यह साबित कर दिया है कि वह राजनीति से लेकर कूटनीति के मामलों में एक सफल नेता हैं और उन्हें पता है कि कब क्या करना चाहिए। साथ ही तृणमूल प्रमुख ने समाज को यह भी संदेश दिया कि, कुछ लोग आपसी सद्भावना को खराब कर सकते हैं ऐसे में शांति और सूझबूझ से काम लेना चाहिए।

नई राह भी पकड़ सकते हैं आजम

मुसलमानों को बीच अपनी सियासी जमीन खिसकती देख आजम ने अब दबाव की राजनीति शुरू कर दी है। कहा जा रहा है कि यदि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने जेल में बंद अपने इस नेता को महत्व नहीं दिया तो अब आजम खान नई राह भी पकड़ सकते हैं, लेकिन आजम के लिये अलग होने की राह इतनी आसान नहीं है। क्योंकि इस बड़बोले नेता को कोई बड़ी पार्टी अपने साथ नहीं लेना चाहती है। वैसे भी संभल पर सपा और कांग्रेस के बीच सियासी दरार पड़ती नजर आ रही है तो जेल में सजा काट रहे आजम खां ने इंडिया गठबंधन को कठघरे में ख?ा कर दिया है। रामपुर के सपा जिला अध्यक्ष अजय सागर ने आजम के सियासी संदेश को पत्र के जरिये लोगों के सामने रखा है। आजम के हवाले से पत्र में इंडिया गठबंधन पर मुस्लिमों की अनदेखी का आरोप लगाया गया है। कहा है कि मुसलमानों पर इंडिया गठबंधन को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी होगी, अन्यथा मुस्लिमों को भविष्य पर विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। आजम ने यह भी कहा कि रामपुर में हुए जुल्म और बर्बादी का मुद्दा संसद में उतनी ही मजबूती से उठाया जाना चाहिए, जितना संभल का मुद्दा उठाया गया। रामपुर के जुल्म और बर्बादी पर इंडिया गठबंधन खामोशी तमाशाई बना रहा और मुस्लिम लीडरशिप को मिटाने का काम करता रहा।

आजम खां चाहते थे अखिलेश यादव रामपुर से लोकसभा चुनाव लड़ें

बता दें कि लोकसभा चुनाव में आजम चाहते थे कि रामपुर से खुद अखिलेश यादव चुनाव लड़े। आजम वहां किसी मुस्लिम नेता को पैर जमाने देना बिल्कुल भी नहीं चाहते थे लेकिन सपा ने वहां से मोहिब्बुल्लाह को टिकट दिया और वे जीत भी गए। सपा सूत्र बताते हैं कि रामपुर के लोकसभा टिकट ने आजम की सपा नेतृत्व से दूरियां बढ़ाई। आजम को यह भी महसूस हो रहा है कि उनके मामले को सड़क से संसद तक उतनी प्रमुखता से नहीं उठाया गया, जितनी संभल के प्रकरण को तरजीह दी गई। बहराल, यूपी में बीजेपी के सत्ता में आने के बाद ही आजम खान पर सियासी ग्रहण छाया हुआ है। आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खान जेल में नहीं बल्कि सजा होने के चलते अपनी-अपनी सदस्यता भी गंवा चुके हैं. इसके अलावा उपचुनाव में रामपुर और स्वार टांडा सीट भी आजम परिवार के पकड़ से बाहर निकल चुकी है। आजम खान के समर्थकों को भी लगता है कि सपा और अखिलेश यादव ने उनकी लड़ाई को मजबूती से नहीं लड़ा। इसके अलावा आजम खान की मर्जी के बगैर रामपुर लोकसभा सीट से अखिलेश यादव ने प्रत्याशी उतारा था, जितने जीत के बाद से आजम खान पर ही निशाना साधा था। जबकि जेल में बंद आजम खान से लोकसभा चुनाव के बाद से सपा का कोई बड़ा नेता मिलने नहीं गया। कुंदरकी में उपचुनाव के दौरान अखिलेश यादव ने जरूर रामपुर में आजम खान के परिवार से मुलाकात की थी, लेकिन जिस तरह आजम ने संभल के बहाने रामपुर और मुस्लिम सियासत को लेकर सवाल खड़े किए हैं, उसके चलते माना जा रहा है कि यूपी की सियासत में कोई नई खिचड़ी पक रही है।

बंगाल भाजपा के नेता भी मौन

ममता बनर्जी जब सांसद थी तब भी बंगाल में वाममोर्चा के शासन के दौरान बंगाल में अवैध बांग्लादेशियों का मुद्दा उठा चुकी है। लेकिन ममता बनर्जी की सरकार बनने के बाद भी बंगाल में अवैध बांग्लादेशियों का मुद्दा उठता रहा है। वैसे देखा जाए तो भाजपा के केन्द्रीय नेताओं के मुकाबले में बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर लगातार अत्याचार के मामले पर बंगाल भाजपा के नेता भी लगभग मौन ही है। लेकिन बंगाल में नेता प्रतिपक्ष व भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी जोरदार तौर पर उक्त मामले पर विरोध व्यक्त कर रहें हैं और बांग्लादेश को चेता भी रहे है। हलांकि अब जाकर बांग्लादेश ने यह माना कि शेख हसीना सरकार के अपदस्थ होने के बाद देश में अल्पसंख्यकों विशेषकर हिंदुओं पर हिंसा की 88 घटनाएं हुई हैं।

मोदी सरकार से हिंदू समाज निराश

देखा जाए तो बांग्लादेश के मामले पर मोदी सरकार से हिंदू समाज जिस तरह की प्रतिक्रि या की उम्मीद कर रहा था वह नहीं दिखा। यह अलग बात है कि पीएम भले ही सामने नहीं आए हों लेकिन केन्द्र ने बंग्लादेश को संकेत में बता दिया है कि मामले पर भारत की आंखें बंद नहीं है। जबकि आरएसएस ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता जाहिर की है। साथ केंद्र सरकार से सख्त कदम उठाने की अपील की है। कांग्रेस ने भी मुद्दे पर अपना पक्ष सामने रख दिया है। लेकिन देखा जाए तो बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर बंगाल की सीएम ममता बनर्जी राजनीति से लेकर कूटनीति के मामलों में एक कदम आगे निकल गईं है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

ट्रंप का बयान भारत को करेगा परेशान!

अमेरिका के नवनिर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप के साथ भारतीय पीएम नरेन्द्र मोदी के प्रगाढ़ संबंधों की बातें हमेशा मीडिया में छाई रहती हैं। उनके पहले कार्यकाल में तो दोनो की बॉंडिंग दिखती थी पर क्या दूसरे कार्यकाल में भी ऐसा ही रहेगा इस पर बहुत लोग संदेह कर रहे हैं। इस संदेह के पीछे ट्रंप के हालिया बयान हैं जिसमें उन्होंने प्रवासियों को अपने देश में नागरिकाता देने पर पुनर्विचार करने की बात कह कर भारत जैसे देशों पर दबाव तो बनाया ही दूसरे में उन्होंने कनाडा को चेतावनी दे डाली वह उसे अमेरिका का हिस्सा बना लेंगे। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप अपने बेबाक बयानों और फैसलों के लिए जाने जाते हैं। वो आए दिन ऐसी घोषणाएं करते रहते हैं कि जिसे लगता है कि उनके शपथ लेने के बाद वाशिंगटन की नीतियों के साथ ही विदेश नीति में भी एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। ट्रंप ने कहा है कि वो कनाडा को अमेरिका का हिस्सा बनाने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने जस्टिन ट्रूडो से कहा है कि कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बन जाना चाहिए। पूरा भारत भी ये खबर सुनकर हैरान है।

ट्रंप ने भारत को आयात कर का राजा बताया है और मेक्सिको व कनाडा पर 25प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कही है। याद करें, ट्रंप के पिछले दौर में भारत के कई सामान को जनरल सिस्टम ऑफ प्रिफरेंसेस से हटा लिया गया था। इसके तहत, बिना आयात कर दिए अमेरिका में प्रवेश की छूट थी। नए कार्यकाल में ट्रंप सभी देशों पर इंपोर्ट टैक्स बढ़ाएंगे, ताकि अमेरिका में घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन मिले। आईटी, दवा, कपड़े और जूते जैसे निर्यात प्रभावित होंगे। एच वी बी वीजा में कटौती से भारतीय नागरिकों के लिए अमेरिका में काम करना कठिन हो जाएगा। उनके द्वारा भारत को रेमिटेंस कम भेजी जाएगी। ट्रंप द्वारा अमेरिकी कंपनियों को अमेरिका में ही उद्योग लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके कारण विश्व की पूंजी का अमेरिका की तरफ पलायन होगा। इन तथ्यों को देखते हुए यूनियन बैंक ऑफ स्विट्जरलैंड ने अनुमान लगाया है कि ट्रंप के कदमों के कारण भारत की विकास दर में 0.5 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। फोकस करने की यह पॉलिसी अगर सही होती, तो सारे देश ऐसा करके अपनी जनता का हित कर सकते थे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और कमोबेश सभी मुल्कों ने विदेश व्यापार को स्वीकार किया है। ट्रंप के कदमों का अमेरिका पर जो भी प्रभाव पड़े, लेकिन भारत समेत दूसरे देशों पर नकारात्मक असर होगा। इन समस्याओं के बावजूद ट्रंप भारत के लिए एक सुनहरा अवसर प्रदान करते हैं। जैसे बरगद के पेड़ के नीचे छोटे पौधे नहीं पनपते, उसी प्रकार अमेरिकी अर्थव्यवस्था के बादल के नीचे भारत जैसे दूसरे देश पनप नहीं रहे हैं।

“ दरअसल डोनाल्ड ट्रंप अपने बेबाक बयानों और फैसलों के लिए जाने जाते हैं। वो आए दिन ऐसी घोषणाएं करते रहते हैं कि जिसे लगता है कि उनके शपथ लेने के बाद वाशिंगटन की नीतियों के साथ ही विदेश नीति में भी एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। ट्रंप ने कहा है कि वो कनाडा को अमेरिका का हिस्सा बनाने के लिए बिल्कुल तैयार हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

देश की तरक्की हेतु जरूरी है ऊर्जा आत्मनिर्भरता

डॉ. शशांक द्विवेदी

पिछले लगभग दो साल से यूक्रेन-रूस युद्ध जारी है। इस्राइल का हमास (फलस्तीन) – ईरान हिज्बुल्ला के बीच भी संघर्ष चल रहा है। पूरे पश्चिम एशिया में अशांति का दौर जारी है। इन युद्ध और संघर्षों के कारण से अभी भी यूरोप बिजली, प्राकृतिक गैस और ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। पिछले कुछ समय से पूरी दुनिया महंगाई और ऊर्जा संकट का सामना कर रही है। भारत तो अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से भी अधिक कच्चा तेल अन्य देशों से आयात करता है। भारत काफी सालों से अक्षय ऊर्जा क्षमता का विस्तार करता जा रहा है। पिछले दिनों एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए भारत की अक्षय ऊर्जा क्षमता 10 अक्तूबर तक 200 गीगावाट के आंकड़े को पार कर गई है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है कि देश की कुल बिजली उत्पादन क्षमता 452.69 गीगावाट है, जिसमें लगभग आधी हिस्सेदारी अक्षय ऊर्जा स्रोतों की हो गई है।

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के अनुसार अक्षय ऊर्जा के मामले में सौर ऊर्जा देश में पहले स्थान पर है। सौर ऊर्जा उत्पादन के मामले में आज भारत दुनिया में पांचवें स्थान पर है। सौर ऊर्जा के बाद नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सर्वाधिक विकास पवन ऊर्जा का हुआ है। देश में इसकी स्थापित क्षमता 47.36 गीगावाट है। आज पवन ऊर्जा की स्थापित क्षमता के मामले में भारत चीन, अमेरिका और जर्मनी के बाद चौथे स्थान पर है। किसी भी देश के आधारभूत विकास के लिए ऊर्जा का सतत और निर्बाध प्रवाह बहुत जरूरी है। देश में प्रति व्यक्ति औसत ऊर्जा खपत वहां के जीवन स्तर का सूचक होती है। बढ़ती आबादी के उपयोग के लिए और विकास को गति देने के लिए हमारी ऊर्जा की मांग भी बढ़ रही है। द्रुतगति से देश के विकास के लिए औद्योगीकरण, परिवहन और कृषि के विकास पर ध्यान देना होगा। इसके लिए ऊर्जा की भी आवश्यकता है। देश में बिजली की मांग भी वर्तमान उपलब्धता से कहीं अधिक है। आवश्यकता के अनुरूप बिजली का उत्पादन नहीं हो रहा है। कोविड महामारी का दुष्प्रभाव लगभग खत्म होने के बाद से भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी आई है जिस कारण से बिजली की मांग भी बढ़ी है।

आने वाले समय में भारत में बड़ा बिजली संकट पैदा हो सकता है। यही कारण है कि भारत सहित दुनियाभर में अब ऊर्जा के गैर-अक्षय संसाधनों के मुकाबले अक्षय ऊर्जा संसाधनों की मांग निरंतर तेजी से बढ़ रही है। ऊर्जा उत्पादन

के साथ-साथ ऊर्जा संरक्षण पर भी ध्यान देना होगा। अपना भविष्य उज्ज्वल बनाए रखने के लिए वर्तमान परिस्थितियों में सभी तरह की ऊर्जा तथा ईंधन की बचत अत्यंत आवश्यक है। आज हम बचत करेंगे तो ही भविष्य सुविधाजनक रह पाएगा। दैनिक जीवन में उपयोग के लिए जीवाश्म ईंधन, कच्चे तेल, कोयला, प्राकृतिक गैस इत्यादि ऊर्जा स्रोतों द्वारा पर्याप्त ऊर्जा उत्पन्न की जा रही है, लेकिन ऊर्जा की बढ़ती मांग को देखते हुए भविष्य में इन ऊर्जा संसाधनों की अत्यधिक कमी होने या इनके समाप्त होने का भय पैदा हो गया है। वस्तुत: ऊर्जा हमारे जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है, चाहे वह किसी भी रूप में हो। भोजन, प्रकाश, यातायात, आवास, स्वास्थ्य की मूलभूत आवश्यकताओं के साथ मनोरंजन, दूरसंचार, सुख संसाधन, पर्यटन जैसी आवश्यकताओं में भी ऊर्जा के विभिन्न रूपों ने हमारी जीवनशैली में अनिवार्य स्थान बना लिया है। इन सबमें भी बिजली ऊर्जा वह प्रकार है जो सबसे सुगमता से हर कहीं सदैव हमारी सुविधा हेतु सुलभ है। यही कारण है कि अन्य ऊर्जा विकल्पों को बिजली में बदलकर ही उपभोग किया जाता है। वास्तव में यदि ऊर्जा का उपयोग सोच-समझ कर नहीं किया गया तो इसका भंडार जल्द ही समाप्त हो सकता है। प्रकृति पर जितना अधिकार हमारा है, उतना ही हमारी भावी पीढ़ियों का भी है। जब हम अपने पूर्वजों द्वारा लगाए गए वृक्षों के फल खाते हैं, उनकी संजोई धरोहर का उपभोग करते हैं तो हमारा नैतिक दायित्व है कि हम भविष्य के लिए भी नैसर्गिक संसाधनों को सुरक्षित छोड़कर जाएं, कम से कम अपने निहित स्वार्थों के लिए उनका दुरुपयोग न करें, अन्यथा भावी पीढ़ी और प्रकृति हमें कभी माफ नहीं करेगी। आज भारत 'अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन' का सफल नेतृत्व कर रहा है। परंपरागत ऊर्जा स्रोतों के पर्यावरणीय दुष्प्रभावों और भविष्य में इसके समाप्त होने के भय का समाधान अक्षय ऊर्जा में ही निहित है।

हालांकि, नवीकरणीय ऊर्जा में सकारात्मक प्रगति के बावजूद भारत की जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता 'नेट जीरो' के लक्ष्य में बाधक बन सकती है। 'पंचामृत' पहल के तहत केंद्र सरकार सीओपी-26 सम्मेलन में घोषित कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन में एक अरब टन की कमी करने, 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावाट तक ले जाने, अपनी ऊर्जा जरूरतों का 50 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त करने, अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता को 45 प्रतिशत से कम करने तथा 2070 तक 'नेट जीरो' कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में प्रतिबद्धता से जुटी है।

हरियाणा में नशा विरोधी रणनीतियों को नई धार

ओ.पी. सिंह

भारत नशाखोरी की महामारी की चपेट में है, जिसका असर न केवल व्यक्तिगत जीवन बल्कि यह राष्ट्र की सामाजिक और आर्थिक नींव को भी खतरे में डालता है। यह त्रासदी परिवारों, समुदायों और जनस्वास्थ्य प्रणाली तक में व्याप्त है, जिसके लिए तत्काल और नूतन समाधान की आवश्यकता है। हालांकि कानून लागू करने वाले विभागों ने आपूर्ति श्रृंखला पर अंकुश लगाने में काफी प्रगति की है, लेकिन इसकी मांग को जड़ से खत्म करने संबंधी उपाय एक कठिन चुनौती बने हुए हैं। इस जंग में, प्रभावी संचार एवं जागरूकता मुहिम अपरिहार्य हैं। लेकिन पारंपरिक ढंग जैसे व्याख्यान और डर पैदा करने वाले संदेश, अपना असर करने में विफल रहे हैं विशेष रूप से युवाओं में, जो मादक द्रव्यों के सेवन के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील हैं। हरियाणा ने परिवर्तनकारी नशा विरोधी संचार मॉडल में पहलकदमी की है। जो कि पुराने तौर-तरीकों से जुदा है।

सांस्कृतिक प्रासंगिकता में निहित, व्यवहार विज्ञान से सीखते हुए और प्रौद्योगिकी द्वारा संवर्धित, यह समग्र रणनीति न केवल नशीली दवाओं के उपयोग के खिलाफ चेताती है बल्कि लोगों को सूझबूझ पूर्ण निर्णय लेने और लचीलापन विकसित करने हेतु सशक्त भी बनाती है। हरियाणा का यह तरीका मिसाल है कि कैसे नवीन उपाय और जन-केंद्रित रणनीति स्थायी असर पैदा कर सकती है। पारंपरिक नशा विरोधी प्रचार अक्सर एकतरफा संचार पर निर्भर रहते हैं, जिसमें नशीली दवाओं के उपयोग करने के खतरों पर जोर देना या कड़ी चेतावनी जारी करना शामिल हैं। नेक इरादे से किए जाने के बावजूद, ये ढंग शायद ही कभी मादक द्रव्यों के सेवन के गहन कारक जैसे कि साथियों का दबाव, तनाव, भावनात्मक अलगाव और दूसरों से होड़ के कारण बनने वाली मानसिक स्थिति को छूते हैं। इसीलिए युवाओं को ऐसे अभियान अक्सर उनकी वास्तविकताओं से कटे हुए महसूस होते हैं, जिससे उनकी प्रभावशीलता नगण्य हो जाती है।

इन कमियों को पहचानते हुए, हरियाणा ने लोगों को सार्थक रूप से जोड़ने के वास्ते, अपनी प्रचार रणनीति को नए सिरे से तैयार किया है और भय-आधारित संदेश देने के बजाय उनके अंदर अपने सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भों से सहभागिता, सरोकार और सशक्तीकरण पैदा करने वाले बदलाव लाने का प्रयास किया है। जागरूकता बनाने और इसको मूर्त रूप देने के बीच की खाई को पाटने में यह आमूल-चूल बदलाव महत्वपूर्ण साबित हुआ है। हरियाणा के इस अभिनव दृष्टिकोण के केंद्र में 'चक्रव्यूह' नामक कार्यक्रम है, जोकि इस विषय में शिक्षित करने के ढंग में परिवर्तन है, यह प्रतिभागियों में रुचि जगाकर, उन्हें जीवन जीने और नशों से दूर रहने की अभिनव कला सिखाता है। इसमें प्रतिभागी टीम में काम करते हुए असली जिंदगी जैसी समस्याओं को सुलझाने, कठिनाई जनित जिन चुनौतियों को हल करने में युक्तिपूर्ण विचार की जरूरत होती है, वह क्षमता पैदा करती है। साथ ही नैतिकतापूर्ण निर्णय लेना और सबके साथ मिलकर काम करने की भावना। इस किस्म के परस्पर औपचारिक और वैचारिक आदान-प्रदान का प्रभाव केवल भय बनाकर नशे से तौबा करने वाले ढंग से कहीं असरदायक है। यह भागीदार को अनिवार्य कौशल जैसे कि लचीलापन, एकाग्रता और सहभागिता से युक्त करता है, जो साथियों के दबावों को नकारने और सकारात्मक विकल्प बनाने में अहम है।

रिवायती भाषणबाजी की तरह न होकर-जिससे कोई जुड़ाव महसूस नहीं करता- हरियाणा का 'चक्रव्यूह' नामक यह कार्यक्रम प्रेरक उपायों को यादगार एवं प्रभावशाली अनुभव बनाता है। प्रशिक्षित प्रतिभागी उस समझ एवं व्यावहारिक ज्ञान के साथ निकलते हैं, जिनका उपयोग वे अपनी रोजाना की जिंदगी में कर सकेंगे। हरियाणा ने 'चक्रव्यूह' की पहुंच व्यापक बनाने के लिए इसे डिजिटल प्रारूप में ढाला है। हैकाथॉन के माध्यम से डेवलपर्स के साथ सहयोग करते हुए, सरकार ने 'एस्केप रूम' अनुभव की तर्ज पर एक मोबाइल गेम बनाया है। खेल-खेल में दृष्टिकोण पैदा करने वाला यह तरीका युवाओं के बीच डिजिटल मंचों की लोकप्रियता को भुनाता है जिससे नशा-विरोधी अभियान आकर्षक और सुलभ बन जाता है। यह तकनीकी नूतन प्रयोग शहरी-ग्रामीण अंतर को पाटने में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। वंचित क्षेत्रों में इंटरेक्टिव सामग्री प्रदान करते हुए, यह डिजिटल पहल समावेशिता सुनिश्चित करती है। इसके अतिरिक्त, यह निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए भी राह खोलता है, जिससे आगे नवाचार और इसके विस्तार को बढ़ावा मिलेगा। हरियाणा के यह मॉडल सांस्कृतिक-आध्यात्मिक तत्वों को शामिल करते हुए लोगों को जोड़ता है।

इसके तहत बेहतरीन पहल है 'राम गुरुकुल गमन' जो कि भगवान राम के वनवास की कहानी से प्रेरित संगीत-रूपक है। इसका कथानक जीवन की कठिनाइयों पर काबू पाने में लचीलेपन और साहस का एक उदाहरण है, जो संदेश देता है 'चुनौतियां आयेंगी ही, लेकिन उनका सामना शक्ति व दृढ़ संकल्प से किया जा सकता है'। इस नाटक को व्यापक प्रशंसा मिली है। इसे पुणे में राष्ट्रीय युवा महोत्सव जैसे प्रमुख कार्यक्रमों में प्रदर्शित किया गया। स्कूलों और कॉलेजों में ऐसे रूपकों को पेश कर, प्रशासन सुनिश्चित करना चाहता है कि नशा विरोधी संदेश प्रासंगिक और प्रभावशाली बने। हरियाणा की रणनीति का एक और कदम है, 'लोटा नमक अभियान', जो छोटा-मोटा नशा करने वालों और तस्करों के पुनर्वास पर केंद्रित जमीनी पहल है।

किडनी की गंदगी साफ करेंगी ये सब्जियां

किडनी की बीमारी आगे चलकर खतरनाक बन सकती है। इसे दूर करने के लिए अपनी डाइट में ऐसी पांच सब्जियां शामिल करें, जो किडनी के कार्य को आराम से पूरा करने में मदद करे और आगे चलकर स्टोन न बनाए। किडनी की बीमारी के लिए ऐसे फूड अच्छे माने जाते हैं, जिनमें पोटैशियम की मात्रा कम हो। साथ ही जिनमें एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो मुक्त कणों को बेअसर करने में मदद करते हैं। किडनी की बीमारी वाले लोगों के लिए यहां 5 तरह की सब्जियां बताई जा रही हैं, जिन्हें खाने से स्टोन की समस्या में राहत मिलेगी।

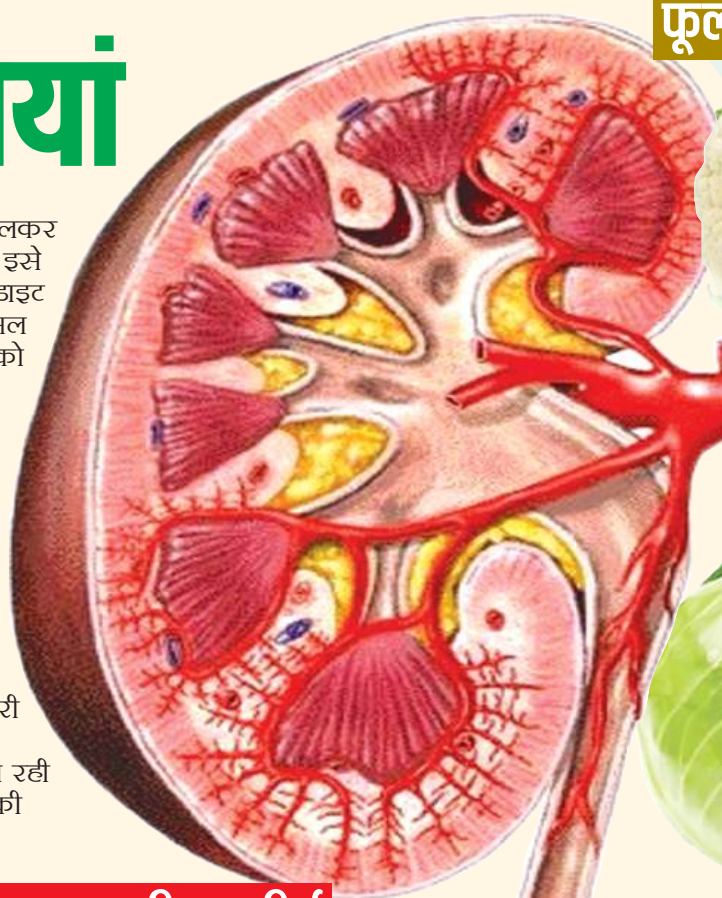

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियां, जैसे कि पालक या केल, विटामिन और खनिजों से भरपूर होती हैं। यह किडनी को हेल्दी रखने का कार्य बढ़ाती हैं। इन सब्जियों में एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं, जो किडनी को रक्त छानने के काम को आसान बनाने में मदद करती हैं। सबसे पहला और सबसे जरूरी पालक के फायदे है कि यह पौष्टिक आहार से भरपूर है। पालक देखने में बेहद सिंपल लगती हैं लेकिन यह कई सारे आहार से भरपूर है जो आप बिल्कुल भी नहीं छोड़ना नहीं चाहेंगे। 100 ग्राम पालक की पत्तियों से 91 प्रतिशत पानी, 3.6 ग्राम कॉबोहाइड्रेट, 2.9 ग्राम प्रोटीन और 2.2 ग्राम फाइबर प्राप्त होता है। थोड़ी मात्रा में शुगर और फैट भी मिलता है। जो विटामिन और मिनरल्स पालक से मिलते हैं वो इस प्रकार हैं- विटामिन ए, सी, के1, बी6 और बी9, कैल्शियम, आयरन, फोलिक एसिड, पोटेशियम और मैग्नीशियम। पालक एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है जो पूरे शरीर की सेहत और अहम अंगों को सही से काम करने में मदद करते हैं। पालक के फायदे इन एंटीऑक्सीडेंट की कारण बढ़ जाते हैं।

फूलगोभी

फूलगोभी विटामिन सी से भरी हुई होती है और फोलेट और फाइबर का अच्छा स्रोत है। इसमें ऐसे यौगिक होते हैं, जो लीवर में मौजूद गंदे पदार्थों को बेअसर करने में मदद करते हैं। हृदय के लिए फूलगोभी का सेवन काफी लाभकारी साबित होता है। क्योंकि फूलगोभी एंटी ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है, जो हृदय को स्वस्थ बनाने में मदद करते हैं, साथ ही फूलगोभी का सेवन करने से हृदय संबंधी बीमारियों का जोखिम कम होता है। फूलगोभी का सेवन हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि फूलगोभी विटामिन के से भरपूर होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। साथ ही फूलगोभी का सेवन फ्रैक्चर के जोखिम को कम करने में भी मदद करता है। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो आपको फूलगोभी का सेवन करना चाहिए। क्योंकि फूलगोभी में उच्च मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो वजन को कम करने में मददगार साबित होता है।

प्याज

प्याज के अंदर फ्लेवोनोइड्स और क्वेरसेटिन नामक एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो किडनी को स्वस्थ रखता है। साथ ही इनमें पोटेशियम भी कम होता है, जो किडनी के लिए अच्छा माना जाता है। कच्चा प्याज पाचन के लिए बेहद फायदेमंद है। इसे सलाद के रूप में खाने से डाइजेशन सही रहता है। कच्चे प्याज का सेवन ब्लड शुगर के लिए बहुत लाभकारी है। यह ब्लड शुगर को कंट्रोल में रखता है। शुगर के मरीजों को नियमित कच्चे प्याज का सेवन करना चाहिए। कच्चे प्याज के सेवन से हार्ट हेल्दी रहता है। इससे हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। हार्ट के मरीजों को रोजाना प्याज का सेवन करना चाहिए इससे दिल की सेहत मजबूत होती है।

पत्तागोभी

विटामिन के, विटामिन सी और फाइबर से भरपूर पत्तागोभी विटामिन बी6 और फोलिक एसिड का भी अच्छा स्रोत है। इसमें पोटेशियम कम होता है। यदि आप डायलिसिस की डाइट में इसे शामिल करेंगे तो आपको फायदा मिलेगा। पत्ता गोभी कैंसर जैसी बीमारियों से भी छुटकारा मिल जाता है। क्योंकि उन्हें कैंसर जैसी बीमारियां होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। पत्ता गोभी के अंदर सिनिग्रिन, इन्डोल और कार्बिनोल पाया जाता है। इन्हीं कारणों की वजह से जो लोग पत्ता गोभी की सब्जी खाते हैं वह कैंसर जैसी बीमारियों से बच जाते है।

लाल शिमला मिर्च

लाल शिमला मिर्च कई विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर का अच्छा स्रोत है। इनमें पोटेशियम, फॉस्फोरस और सोडियम की मात्रा कम होती है, इसलिए किडनी की बीमारी हो गई है तो इसे अभी से खाना शुरू कर दें। दिन में 1/2 कप खाएं। शिमला मिर्च में विटमिन सी, विटमिन ए, विटमिन के, फाइबर और बीटा-कैरोटीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। शिमला मिर्च में कैलोरी न के बराबर होती है जिससे कोलेस्ट्रॉल नहीं बढ़ता।

हंसना मना है

एक दिन संता अपनी भाभी को पिट रहा था, राह चलते लोगो ने पूछा क्यों मार रहे हो इस बेचारी को? संता बोला- मेरी भाभी अच्छी औरत नहीं है, लोगो ने पूछा- क्यों क्या हुवा? संता बोला- यार मेरे सभी दोस्त मोबाइल पर लगे रहते है, और जिसे भी पुछू तुम लोग किस से बात कर रहे हो? तो सब बोलते है तेरी भाभी से।

पति अपनी नाराज पत्नी को रोज फोन करता है..सासूजी- कितनी बार कहा की वो अब तुम्हारे घर नहीं आएगी, फिर क्यों रोज-रोज फोन करते हो? जमाई- सुन कर अच्छा लगता है इसीलिए।

सिर्फ मार्क जुकरबर्ग ही दुनिया का ऐसा अकेला इंसान है..जिसकी मां बोलती है, बेटा टाइम-पास छोड़, Facebook और Whatsapp पर ध्यान दे।

पापा- बेटा तुम पास हो या ना हो मैं तुम्हें बाइक जरूर दिला दूंगा..पप्पू- थैंक्यू पापा जी, पापा- अगर पास हुये तो 'हीरो होन्डा' कॉलेज जाने के लिये, अगर फेल हुये तो 'राजदूत' दूध बेचने के लिये।

सरदार लड़की वालों के यहां रिश्ता लेकर पहुंचा, मां-बाप बोले- हमारी बेटी अभी पढ़ रही है, सरदार बोला- कोई बात नहीं जी, हम एक-दो घंटे बाद आ जायेंगे।

कहानी — ब्राह्मण, चोर और दानव

एक गांव में द्रोण नाम का गरीब ब्राह्मण रहता था। ब्राह्मण जैसे-तैसे भिक्षा मांगकर अपना गुजारा कर रहा था। उसकी गरीबी को देखकर एक यजमान को दया आ गई। उसने द्रोण को बैलों का एक जोड़ा दान में दे दिया। बैलों को गौधन मानकर ब्राह्मण द्रोण उनकी सेवा पूरी लगन के साथ करने लगा। उसे बैलों से इतना प्रेम था कि वो खुद कम खाता था, लेकिन बैलों को भरपेट खिलाता था। एक दिन चोर ने बैलों को चुराने की योजना के तहत ब्राह्मण के घर निकल गया। रास्ते में चोर का सामना एक भयानक राक्षस से हुआ। राक्षस ने पूछा, तुम इतनी रात को कहां जा रहे हो? चोर ने कहा, मैं ब्राह्मण के बैल चोरी करने जा रहा हूं। राक्षस बोला, चलो मैं भी तुम्हारे साथ चलता हूं। मैं कई दिनों से भूखा हूं। मैं उस ब्राह्मण को खाकर अपनी भूख शांत करूंगा और तुम उसके बैल ले जाना। चोर के मन में हुआ कि रास्ते के लिए एक साथी भी हो जाएगा, तो इसे साथ ले जाने में कोई बुराई नहीं है। ब्राह्मण के घर पहुंचकर राक्षस बोला, पहले मैं ब्राह्मण को खा लेता हूं, उसके बाद तुम बैल चुरा लेना। चोर ने कहा, नहीं, पहले मैं बैल चुराउंगा उसके बाद तुम ब्राह्मण को खाना। अगर तुम्हारे आक्रमण से ब्राह्मण जाग गया, तो मैं बैल चुरा नहीं पाऊंगा। फिर राक्षस बोला, जब तुम बैल खोलोगे, तो उसकी आवाज से भी ब्राह्मण जागकर अपनी रक्षा कर सकता है। मैं इस चक्कर में भूखा रह जाऊंगा। राक्षस और चोर दोनों इसी तरह बहस करते रहे। उसी बीच राक्षस और चोर की आवाज सुनकर ब्राह्मण जाग गया। ब्राह्मण को जागा देखकर जल्दी से चोर बोला, हे! ब्राह्मण देखो यह राक्षस आपको खाने आया है, लेकिन मैंने इससे आपको बचा लिया। इसने कई बार आपको खाने की कोशिश भी की पर मैंने ऐसा होने नहीं दिया। चोर की बात सुनकर राक्षस ने भी तुरंत कहा, नहीं ब्राह्मण, मैं आपको खाने नहीं, बल्कि आपके बैलों की रक्षा करने के लिए यहां आया हूं। यह चोर आपके बैल चुराने आया था। खतरे को भांपते हुए ब्राह्मण ने फटाफट डंडा उठाया और दोनों को भगा दिया।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने के प्रति रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

मिथुन

शत्रुभय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से क्लेश होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

कर्क

प्रतिद्वंद्विता कम होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बिगड़ सकती है। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा।

सिंह

भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी।

कन्या

शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा।

तुला

शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे।

वृश्चिक

पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

धनु

किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। राजभय रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा।

मकर

कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कुम्भ

मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है या समय पर नहीं मिलेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। आय में निश्चितता रहेगी।

मीन

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। थकान रहेगी।

देश की महिला कलाकारों पर फिल्म बनाना चाहती हैं शालिनी

बिग बॉस 18 कंटेस्टेंट और इंटरनेट सेंसेशन शालिनी पासी वीमेन आर्टिस्ट पर फिल्म बनाने की ख्वाहिश रखती हैं। उन्होंने इंडियन वीमेन आर्टिस्ट्स पर-जैसे पेंटर अमृता शेरगिल और मूर्तिकार मृणालिनी मुखर्जी-पर फिल्म बनाने की ख्वाहिश जाहिर की।

शालिनी ने कहा, मेरी पूरी टीम में महिलाएं ही हैं। मुझे हमेशा महिलाओं के साथ एक कनेक्शन महसूस होता है। हमेशा महिलाओं की कंपनी अच्छी लगती है। एक कंफर्ट लेवल और सिस्टरहुड की भावना होती है। ये वही चीजें हैं जो मुझे हर जगह खींचती हैं - चाहे वो दोस्त हों, सहकर्मी हों या वो महिलाएं जो मेरे लिए काम कर रही हैं। महिलाओं के प्रति मेरा झुकाव हमेशा ईमानदार और पक्षपाती रहा है। दूसरों की खुशी में मुझे खुशी मिलती है। मेरा मानना है कि महिलाओं को हमेशा सही मौके मिलने चाहिए।

बातचीत के दौरान, शालिनी ने वीमेन आर्टिस्ट पर एक फिल्म बनाने की अपनी इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा, मैं एक वीमेन आर्टिस्ट पर फिल्म बनाना चाहती हूं -जैसे पेंटर अमृता शेरगिल और मूर्तिकार मृणालिनी मुखर्जी। मैं एक ऐसी फिल्म या सीरीज बनाना चाहती हूं। लेकिन पहले मुझे माध्यम को समझना होगा। हालांकि, ये ख्वाहिश जरूर रखती हूं।

शालिनी ने ट्रेवल शो करने की भी इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा, मैं ट्रैवल शो करना चाहती थी, क्योंकि इतने मजेदार इंसिडेंट्स होते हैं वाराणसी में और हैदराबाद जैसी जगहों पर। हमारी देश में इतनी खूबसूरत जगहें हैं, जिन्हें मैं दुनिया को दिखाना चाहती हूं। यह मेरा बहुत बड़ा सपना है।

बता दें, शालिनी बिग बॉस 18 के जरिए अपने अंदर के ईगो को खत्म करना चाहती हैं। उन्होंने कहा, मेरे अंदर थोड़ा सा ईगो है। मैं चाहती हूं कि वो खत्म हो जाए। मैं हमेशा खुद को सुधारने वाला इंसान मानती हूं। इस शो के जरिए मैं खुद को और बेहतर बनाना चाहती हूं। बिग बॉस में आने का मतलब सिर्फ मनोरंजन नहीं है, यह एक बड़ा मौका है खुद को बदलने और सीखने का।

अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी पर फूटा रवि किशन का गुस्सा

पुष्पा 2 स्टार अल्लू अर्जुन को हैदराबाद वाली घटना के बाद गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि उन्हें उसी दिन अंतरिम जमानत भी दे दी गई। वहीं बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री के कई एक्टर्स ने इस मामले पर अपना गुस्सा निकाला है। लोगों को कहना है कि नेशनल आइकन को ट्रीट करने का तरीका बिल्कुल गलत है।

रवि किशन ने कहा कि जिस तरह से पुष्पा स्टार अल्लू अर्जुन को उनकी फिल्म पुष्पा-2 : द रूल के प्रीमियर के दौरान हुई घटना की वजह से गिरफ्तार किया गया, उससे वो हैरान हैं। उन्होंने इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास का काला दिन बताया।

एक्टर ने आगे कहा, यह पूरी बिरादरी, फिल्म इंडस्ट्री और दुनिया भर में उनके सभी फैंस के लिए एक काला दिन है। अल्लू अर्जुन एक करदाता हैं जिन्होंने सिनेमा में जबरदस्त व्यवसाय लाया है, वह एक राष्ट्रीय पुरस्कार विवर एक्टर हैं और वह बहुत सभ्य व्यक्ति हैं। क्या आपके मन में उनसे कोई व्यक्तिगत शिकायत है? कांग्रेस सरकार, मुख्यमंत्री और वहां के प्रशासन को जवाब देना चाहिए कि उन्होंने इस कलाकार के साथ ऐसा व्यवहार क्यों किया। इसके पीछे क्या व्यक्तिगत बदला है?

रवि किशन ने आगे कहा कि किसी भी कलाकार को सिर्फ इसलिए घसीटा जा सकता है और उसके साथ इस तरह का व्यवहार किया जा सकता है क्योंकि वह कांग्रेस द्वारा शासित एक निश्चित राज्य से हैं, मुझे समझ नहीं आता कि ऐसा क्यों हो रहा है और उन्हें इसका जवाब देना होगा। एक सज्जन इंसान को इस तरह उनके घर से बाहर खींच कर लाना उनके छोटे बच्चों और बूढ़े माता पिता के सामने बहुत ही गलत है। ये बहुत ही बुरा दिन रहा और हर्ट हुए हैं हम। उनके छोटे बच्चे पर जो दिमागी असर हुआ होगा अपने पापा के लिए, उसको कैसे निपटाएंगे?

बॉलीवुड | मन की बात

परिवार को समय नहीं दे पा रहा था इसलिए लिया ब्रेक : विक्रांत मेसी

पिछले दिनों बॉलीवुड एक्टर विक्रांत मैसी ने इंडस्ट्री से ब्रेक लेने की बात कही थी। एक्टर के इस फैसले से उनके फैंस के बीच काफी मायूसी थी। एक्टर ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया था कि वो कुछ समय के लिए फिल्मी पर्दे से गायब होने वाले हैं। विक्रांत ने कहा, मैं ब्रेक लेना चाहता हूं क्योंकि काम का कोई अंत नहीं होता है। हम सब जानते हैं कि सब कुछ टेंपरेरी है फिर भी सब दौड़ में लगे हैं। अगले साल बस एक ही फिल्म कर रहा हूं। एक्टर ने बताया कि उन्होंने कुछ टाइम ब्रेक लेने का फैसला इसलिए लिया क्योंकि वो परिवार को समय नहीं दे पा रहे थे। विक्रांत मैसी ने बताया कि बेटा होने के बाद वो उसे समय नहीं दे पा रहे थे क्योंकि सब कुछ एक ही समय में हो रहा था। उन्होंने कहा कि मैं अपनी पत्नी के साथ क्वालिटी टाइम नहीं बिता पाया। बस उसी पर फोकस रहेगा, घूमना है, बच्चे को बड़ा होते देखना है। बीवी को हनीमून पर लेकर नहीं गया, शादी कर ली। यही वजह है कि मैंने उस इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा था कि एक पति, पिता और बेटे के तौर पर अपने परिवार की देखभाल करूं। एक एक्टर होने के नाते साल 2025 में हम लोग एक आखिरी बार मिलेंगे। विक्रांत ने साल 2007 में छोटे पर्दे के शो धूम मचाओ धूम से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। लेकिन बालिका वधू के श्याम सिंह के किरदार से उन्हें खूब वाहवाही मिली। बॉलीवुड में उन्होंने रणवीर सिंह की फिल्म लुटेरा (2013) से कदम रखा। उनकी हालिया रिलीज 12वीं फेल और साबरमती रिपोर्ट को लेकर उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरीं। विक्रांत फिलहाल शनाया कपूर के साथ आंखों की गुस्ताखियां की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म की शूटिंग देहरादून में हो रही है। ये एक रोमांटिक फिल्म है जिसका निर्देशन संतोष सिंह ने किया है। वहीं मानसी और वरुण बागला इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं।

यहां शादी के बाद निभायी जाती है अनोखी रस्म पानी भरी गगरी सिर पर रख घर लाती है दुल्हन

बागेश्वर। उत्तराखंड के बागेश्वर समेत कई पहाड़ी इलाकों में आज भी पारंपरिक मान्यताएं निभाई जाती हैं। इन्हीं में से एक धारा पूजन भी है। धारा पूजन उत्तराखंड में विवाह के बाद की जाने वाली विशेष रस्म है। इसमें मुख्य रूप से कुल देवता के मंदिर से होकर गुजरने वाले पानी के धारा की पूजा की जाती है। नव दंपति इस रस्म का हिस्सा होते हैं।

मान्यताओं के अनुसार, नई दुल्हन को शादी के दूसरे दिन सुबह ससुराल में प्राकृतिक धारा की पूजा करवाई जाती है। फिर दुल्हन धारा का ताजा पानी भरकर घर लाती है और ससुराल के बड़े-बुजुर्गों को वह पानी पिलाती है। इस रिवाज को पहाड़ में आज भी बखूबी निभाया जाता है। बागेश्वर निवासी आचार्य पंडित कैलाश उपाध्याय के मुताबिक धारा पूजन में प्रकृति के प्रति आदर और कृतज्ञता का भाव प्रकट किया जाता है। यह पहाड़ की विशेष पौराणिक परंपराओं में से एक है। कुमाऊं में शादी के दूसरे दिन दूल्हा-दुल्हन इस रस्म को पूरा करते हैं। रस्म में दुल्हन की विशेष भूमिका होती है। सुबह उठने के बाद नव दंपति दैनिक नित्य कर्मों से निवृत्त होकर शादी के दिन की तरह तैयार होते हैं। फिर घर से नजदीकी प्राकृतिक धारा पर जाते हैं। वहां पानी और नौले को देवता मानकर पूजा करते हैं। पूजा के बाद तांबे की गागर में धारा का पानी भरा जाता है। दुल्हन के मायके से आई मिठाई और प्रसाद धारा में मौजूद लोगों को बांटा जाता है। दुल्हन पानी से भरी गागर को अपने सिर पर रखकर घर लाती है। घर आकर गागर का पानी घर के बुजुर्गों और अन्य सदस्यों को पिलाया जाता है। पानी पीने वाले लोग दुल्हन को सदा सौभाग्यवती रहने का आशीर्वाद देते हैं और साथ में कुछ पैसे भेंट के रूप में दुल्हन को देते हैं। कुमाऊं मंडल में शादी के बाद हर नई दुल्हन को पहली बार ससुराल आने पर धारा पर ले जाया जाता है और वहां पानी की पूजा करवाई जाती है क्योंकि पानी को भी पहाड़ में देवता के रूप में पूजा जाता है। मानव शरीर पांच तत्वों से मिलकर बना है। ये पांच तत्व हैं- आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी। पंचतत्वों के सम्मान के लिए पहाड़ में रीति-रिवाज बनाए गए हैं, इन्हीं में से एक धारा पूजन भी है। ऐसे ही कई रिवाज पहाड़ में आज भी बखूबी निभाए जाते हैं। इनका सीधा संबंध धर्म, पारंपरिक रीति-रिवाजों और पूजा-पाठ से होता है। इसी वजह से शुभ कार्यों से पहले भूमि पूजन, अग्नि पूजन, जल पूजन आदि किया जाता है। इनका पहाड़ में आज भी विशेष महत्व है।

अजब-गजब | यहां शादी के लिए लगती है अनोखी मंडी

लड़का-लड़की खरीदने आते हैं लोग, रेट लिस्ट की तरह चिपके रहते हैं बायोडेटा

क्या आपने कभी सोचा है कि शादी के लिए लड़का-लड़की चुनने की प्रक्रिया इतनी अजीब हो सकती हैं। चीन के शंघाई शहर में कुछ ऐसा ही होता है, जहां शादी के लिए लड़के-लड़कियां खरीदने-बेचने की तरह एक अनोखी 'मंडी' लगती हैं। यहां की शादी मंडी में माता-पिता और रिश्तेदार अपने बच्चों के लिए जीवनसाथी ढूंढ़ने के लिए इकट्ठा होते है और वह इसे बिल्कुल वैसा ही मानते हैं जैसे किसी मार्केट में शॉपिंग। यह मंडी न सिर्फ दिलचस्प बल्कि एकदम अजीब भी है क्योंकि यहां लड़के-लड़कियों के बायोडेटा दीवारों और तारों पर लटकते हैं बिल्कुल किसी रेट लिस्ट की तरह।

हाल ही में एक वायरल वीडियो में शंघाई के एक पार्क में यह दृश्य देखने को मिला, जहां सैकड़ों बायोडेटा लटकाए गए थे। बायोडेटा में लड़के-लड़कियों की पूरी प्रोफाइल, उनकी फोटो, नौकरी की जानकारी, पसंद-नापसंद तक सब कुछ लिखा हुआ था। जैसे ही लोग बायोडेटा को देखते, ऐसा लगता था जैसे वह किसी सब्जी मंडी में सब्जियां चुनने आए हो।

यह मंडी कैसे काम करती है?

हर बायोडेटा के साथ एक रेट लिस्ट जैसी जानकारी भी जुड़ी होती है, जो परिवार के आर्थिक और सामाजिक दर्जे को दर्शाती हैं। यहां लड़के-लड़कियां अपनी पसंद के आधार पर चुन सकते है लेकिन यह सब कुछ बहुत पारंपरिक तरीके से होता है, जहां माता-पिता का ही अंतिम निर्णय होता हैं।

बिना मुद्दे के लड़ रही भाजपा

केजरीवाल का दावा- दिल्ली में चौथी बार बनेगी आप की सरकार

» आप संयोजक बोले- जाति नहीं, प्रदर्शन के आधार पर मिलेगा टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक अरविंद केजरीवाल का दावा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में अपने कामों की बदौलत दिल्ली में आप की चौथी बार सरकार बनाने जा रही है। इसमें दो-चार सीटें ऊपर-नीचे हो सकती हैं। अरविंद केजरीवाल के मुताबिक, आप तीन बार दिल्ली चुनाव जीत चुकी है। एक बार फिर कुछ समय बाद दिल्ली में चुनाव होने वाले हैं। लेकिन, भाजपा के पास कोई मुद्दा ही नहीं है। देश की राजनीति में आप का इतना योगदान तो है कि केवल शासन के आधार पर चुनाव लड़े जा सकते हैं और इसी के दम पर चुनाव जीते जा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि यह केवल दिल्ली के गवर्नेंस मॉडल के बारे में नहीं, बल्कि यह आम आदमी पार्टी (आप) की राजनीति का मॉडल भी है। आप ने लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी की मूलभूत समस्याओं को सुलझाने की कोशिश की है। अरविंद केजरीवाल ने इस मौके पर कुछ कहानियां साझा की। केजरीवाल के मुताबिक, सबसे पहले मनीष सिसोदिया से मुलाकात हुई। मैं इंजीनियर भी हूं, तो मुझे थोड़ी बहुत कोडिंग करनी भी आती थी। इन्कम टैक्स में सीटिंग डिप्टी कमिश्नर था। इसलिए मैं उसका चेहरा नहीं बन सकता था। वरना ये लोग मुझे अंडमान भेज देते। केजरीवाल ने बताया कि इसके बाद उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी, इस्तीफा दे दिया। फिर 10 साल हमने दिल्ली में सुंदर नगरी और नंद नगरी की झुग्गियों में काम किया। इसके बाद सत्येंद्र जैन मिले। ये एक प्रोफेशनल आर्किटेक्ट हैं। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में अपने सारे उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी है। जब हम टिकट की घोषणा कर रहे थे, तो बातचीत में कभी यह नहीं आता कि कोई सीट इस जाति की है, इसलिए उस जाति को दे दो। केवल परफॉर्मेंस के आधार पर हमने टिकट दिए। हम केवल यह देखते हैं कि कौन काम कर रहा है। किसको जनता पसंद कर रही है। दिल्ली मॉडल ऑफ गवर्नेंस में ईमानदारी बहुत जरूरी है।

दिल्ली वालों का हक रोहिंग्यों को दे रही केंद्र सरकार : सीएम आतिशी

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। पत्र में सीएम ने दिल्ली में रोहिंग्यों को बसाने का मुद्दा उठाया। आतिशी ने केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी के ट्वीट पर सवाल उठाए। इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में कानून और व्यवस्था को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा था। सीएम आतिशी ने अपने लिखा कि केंद्र सरकार ने दिल्ली ने रोहिंग्या को बसाया। केंद्र सरकार दिल्ली वालों का हक मारकर रोहिंग्या को दे रही है। केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने 2022 में स्वीकारा कि रोहिंग्या को केंद्र सरकार ने बसाया। क्या केंद्र सरकार इंडो बांग्लादेश बॉर्डर की सुरक्षा करने में नाकाम रही।

मप्र में एक साल में भाजपा ने की सिर्फ वादा खिलाफी

» जीतू पटवारी बोले- महिलाओं के साथ जो वादे किए वो भी भूली सरकार

» कांग्रेसियों ने किया विधानसभा का घेराव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश में सोमवार को बड़े स्तर पर कांग्रेस पार्टी के द्वारा विधानसभा घेराव किया गया। इसको लेकर प्रदेश कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव, प्रदेश प्रभारी एवं जिला प्रभारी ने बुराहनपुर जिले में कांग्रेस नेताओं की बैठक ली। इस दौरान मौजूद जिले के कई कांग्रेसी नेताओं ने आंदोलन को सफल बनाने के लिए अपने सुझाव दिए, जिस पर जिला अध्यक्ष रिंकू टांक ने आश्वस्त किया कि विधानसभा घेराव के आंदोलन में बुरहानपुर के कांग्रेस नेताओं की अधिक से अधिक उपस्थिती रहेगी।

वहीं इसको लेकर पूर्व विधायक ठाकुर सुरेंद्र सिंह शेरा ने कहा कि कांग्रेस बड़ी तादाद में सोमवार को विधानसभा घेराव किया। यह प्रदर्शन मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में हुआ। हर जिले से हजारों की तादात में लोग पहुंचे। वहां डेढ़ लाख से अधिक कांग्रेस नेता कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे। वहीं पटवारी ने कहा कि भाजपा ने एक साल में सिर्फ खिलाफी वादा की है। महिलाओं के साथ जो वादे किए थे कि हम चुनाव जीतने के बाद महिलाओं को 3000 रु महीना देंगे, सिलेंडर सब्सिडी का महिलाओं को वादा किया। वह फेल हुआ। युवाओं को रोजगार देने की बात कही थी। 2 लाख युवाओं को रोजगार देंगे, जबकि युवाओं को एक भी नौकरी नहीं दी। कई परीक्षाएं हुई, लेकिन सभी के पेपर लीक हुए। एक भी परीक्षा का परिणाम आया नहीं और उल्टा युवाओं के परीक्षाओं के नाम पर पैसे लिए गए।

एक बार फिर तीसरे टेस्ट में लड़खड़ाई भारतीय पारी

» ऑस्ट्रेलिया के 445 रन के जवाब में 48 रन पर गंवाए चार विकेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ब्रिस्बेन। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट ब्रिस्बेन के गाबा में खेला जा रहा है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 445 रन बनाएं। जिसके जवाब में भारत की पहली पारी की शुरुआत खराब रही। यशस्वी जायसवाल पारी की दूसरी ही गेंद पर आउट हुए। वहीं तीसरे ओवर में भारत ने शुभमन गिल का विकेट खो दिया। दोनों को स्टार्क ने पवेलियन भेजा।

शुभमन एक रन बना सके, जबकि यशस्वी ने चार रन बनाए थे। इसके बाद विराट कोहली से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन वह तीन रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें जोश हेजलवुड ने आउट किया। 44 के स्कोर पर भारत को चौथा झटका लगा। 2021 में गाबा में ऐतिहासिक जीत दिलाने वाले ऋषभ पंत नौ रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें कप्तान कमिंस ने कीपर कैरी के हाथों कैच कराया। बारिश की वजह से खेल रुकने तक भारत ने अपनी पहली पारी में चार विकेट गंवाकर 48 रन बना लिए हैं। फिलहाल केएल राहुल 30 रन बनाकर क्रीज पर हैं। राहुल का साथ देने कप्तान रोहित शर्मा आए हैं। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 445 रन पर समाप्त हुई थी। इस लिहाज से भारत अभी भी 397 रन पीछे है।

कोहली लगातार हो रहे फेल, 50 से नीचे गिरा औसत

न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछली घरेलू सीरीज में विराट कोहली छह पारियों में 91 रन बना सके थे। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहले टेस्ट की पहली पारी में पांच रन बना सके थे। दूसरी पारी में उन्होंने टेस्ट करियर का 30वां शतक लगाया। हालांकि, इसके बाद तीन पारियों में वह 7, 11 और 3 का स्कोर ही बना पाए। फैब-4 में इस साल टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में कोहली काफी नीचे हैं। उन्होंने अब तक 17 पारियों में 25.06 की औसत से 376 रन बनाए हैं। इसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। वहीं विराट के टेस्ट में फॉर्म को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, टीम मैनेजमेंट और कोच गौतम गंभीर से उन्हें समर्थन मिलता रहा है, लेकिन इस साल उनके खराब प्रदर्शन की वजह से विराट का औसत 50 से नीचे गिर चुका है। यह एक वक्त 53 के आसपास था।

बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया में पूरे किए 50 टेस्ट विकेट

इससे पहले बुमराह की शानदार गेंदबाजी सोमवार को तीसरे दिन भी जारी रही। उन्होंने मिचेल स्टार्क को पंत के हाथों कैच कराकर पवेलियन भेजा जो उनका छठा शिकार बने। बुमराह अब तक इस सीरीज में सबसे ज्यादा 18 विकेट ले चुके हैं। भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलियाई धरती पर 50 टेस्ट विकेट पूरा करने में सफल रहे। बुमराह से ज्यादा उमेश यादव ने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर ज्यादा विकेट झटके हैं। उमेश ने 17 मैचों में 53 विकेट लिए हैं, जबकि बुमराह सिर्फ 10 मैचों में ही 50 विकेट पूरे कर चुके हैं। भारतीय तेज गेंदबाज का औसत 17.62 का है और उनके पास ऑस्ट्रेलिया में कपिल देव के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का मौका रहेगा। कपिल ने ऑस्ट्रेलिया में 51 विकेट झटके हैं और बुमराह दो विकेट लेते ही इस मामले में कपिल से आगे निकल जाएंगे।

ईवीएम पर रोना-धोना बंद करे कांग्रेस : उमर

» जम्मू-कश्मीर के सीएम के बयान पर भड़की कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ईवीएम में हेराफेरी के आरोपों से पूरी तरह इनकार किया है और कांग्रेस को भी इस मुद्दे पर रोना-धोना बंद करने की नसीहत दी है। अब्दुल्ला के बयान के बाद कांग्रेस का पारा चढ़ गया है जिसके बाद कांग्रेस ने पूछा है कि मुख्यमंत्री बनने के बाद हमारे सहयोगियों का ऐसा रवैया क्यों हो जा रहा है? बता दें उमर ने एक इंटरव्यू में कहा कि ईवीएम को हार के लिए बलि का बकरा नहीं बनाया जाना चाहिए।

उमर अब्दुल्ला ने बीजेपी का रुख दोहराते हुए कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि जब आप चुनाव जीतें तो परिणाम स्वीकार कर लें और जब हार जायें तो ईवीएम पर दोष मढ़ दें। अब्दुल्ला ने कहा, 'जब संसद के सौ से अधिक सदस्य एक ही ईवीएम का इस्तेमाल कर कांग्रेस को मिले हैं और आप इसे अपनी पार्टी की जीत के रूप में मनाते हों, तो आप कुछ महीने बाद पलटकर यह नहीं कह सकते कि हमें ये ईवीएम पसंद नहीं हैं क्योंकि अब चुनाव परिणाम उस तरह नहीं आ रहे हैं, जैसा आप चाहते हैं।' जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने मोदी सरकार के सेंट्रल विस्टा परियोजना की भी तारीफ की और कहा कि नया संसद भवन बनाना एक बेहतरीन विचार था। हमें नए संसद भवन की आवश्यकता थी।

अब्दुल्ला कृपया तथ्यों की जांच भी करें : मणिकम टैगोर

कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने कहा कि समाजवादी पार्टी, एनसीपी और शिवसेना-यूबीटी ने ईवीएम के खिलाफ बोला है। सीएम उमर अब्दुल्ला कृपया अपने तथ्यों की जांच करें। कांग्रेस सीडब्ल्यूसी का प्रस्ताव स्पष्ट रूप से केवल चुनाव आयोग के सामने उठाता है। सीएम बनने के बाद हमारे सहयोगियों के प्रति ऐसा रवैया क्यों?

कांग्रेस संविधान को लगातार कर रही कमजोर : तरुण चुघ

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण की सराहना की। उन्होंने कांग्रेस पार्टी द्वारा की गई ऐतिहासिक भूलों की भी आलोचना की, उन्होंने कहा कि इसने संविधान की पवित्रता और भावना को कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार संविधान को कमजोर करने की कोशिशों में लगी रही। चुघ ने कहा कि अतीत में कांग्रेस द्वारा किए गए नुकसान पर प्रधानमंत्री का कड़ा रुख प्रशंसनीय है। खासकर 1975 में आपातकाल लागू करने के दौरान, जब संवैधानिक प्रावधानों को निलंबित कर दिया गया था। तरुण चुघ ने कहा, जबकि हम अपने संविधान के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं।

राज्य में अब प्रगति के बीज बोना लक्ष्य : सोरेन

» सीएम हेमंत का दावा- सचिवालय से नहीं बल्कि गांवों से चलेगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य में झामुमो के नेतृत्व वाली सरकार के पिछले कार्यकाल के दौरान राज्य के विकास की मजबूत नींव रखी गई थी और अब प्रगति को गति देने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल संतोष गंगवार की तरफ से दिया गया भाषण सरकार का श्वेत पत्र था, जो स्पष्ट रूप से सरकार की दूरदर्शिता और दिशा को दर्शाता है।

सोरेन ने सदन में राज्यपाल के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देते हुए कहा, अब, नींव पर एक इमारत बनाने का समय है। बहुत जल्द शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य क्षेत्रों में अवसर दिखाई देंगे। उन्होंने दोहराया कि उनकी सरकार राज्य सचिवालय से नहीं बल्कि गांवों से चलेगी। उन्होंने कहा, कि मेरा मानना है कि जब तक ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार नहीं होगा, तब तक राज्य के सर्वांगीण विकास की उम्मीद नहीं की जा सकती।

फोटो: सुमित कुमार

शीतकालीन सत्र सोमवार को यूपी विधान सभा का शीतकालीन सत्र शुरू हो गया। इस अवसर सदन में जाते नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना, सपा नेता दुर्गा प्रसाद यादव, नरेश उत्तम व भाजपा के विधायक सेल्फी लेते हुए।

कलयुग का दुर्योधन बीजेपी विधायक हरीश शाक्य !

बेटे को अगवा किया, मां जब बचाने के लिए घर से निकली तो गुर्गों ने मां की साड़ी के पल्लू को खींच कर गिरा दिया

» सांसद बदायूं आदित्य यादव ने पूछा सवाल

» क्या बाबा का बुलडोजर बलात्कारी विधायक के मकान तक पहुंचेगा ?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बदायूं जिले की बिल्सी विधानसभा सीट से जीते विधायकों पर रेप के आरोप क्यों लगते हैं? बसपा के पूर्व विधायक योगेन्द्र सागर के बाद बीजेपी के विधायक हरीश शाक्य पर महिलाओं के साथ रेप के गंभीर आरोप लगे हैं। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। यह पूरा प्रकरण रोंगटे खड़े कर देने वाला है। क्योंकि विधायक की इस कहानी में सेक्स के साथ जमीन हड़पना और परिवार को प्रताड़ना देने के गंभीर आरोप लगे हैं।

ललित की पत्नी ने रो-रो के अपना हाल बताया? उसने कहा कि कि मेरे साथ पांच लोगों ने बलात्कार किया है। विधायक हरीश शाक्य, हरिशंकर व्यास, आनंद प्रकाश अग्रवाल और मनोज गोयल। मैं पुलिस के पास गयी मेरी नहीं सुनी गयी। न्यायालय के आदेश के बाद एफआईआर दर्ज हुई है और मुझे पूरी उम्मीद है कि कोर्ट मुझे न्याय दिलाएगी।

मेरे परिवार को बर्बाद कर दिया : शांती देवी

ललित की मां शांती देवी के मुताबिक मामला पूरा प्रापर्टी का है आज जो कुछ भी मेरे बेटे और बहू के साथ किया गया वह सब प्रापर्टी के कारण हुआ है। विधायक हरीश शाक्य को किसी भी कीमत पर मेरे परिवार की प्रापर्टी चाहिए थी। प्रापर्टी के लिए उसे जो कुछ भी करना पड़े उसने किया। पेरे परिवार को बर्बाद कर दिया। मैं यूपी के सीएम योगी जी से मिली उनसे फरियाद की उन्हें पूरी बात बताई उन्होंने कहा कि कार्रवाई करूंगा। लेकिन पांच महीने हो गया कुछ नहीं हुआ। मेरे बेटे को विधायक ने फर्जी एफआईआर दर्ज करा के बंद करा दिया था। तीन बजे रात में किसी पुलिस वाले ने मुझे फोन कर बताया मैं उसे बचाने के लिए घर से निकली तो विधायक के गुर्गों ने मेरी साड़ी का पल्लू खींच कर मुझे गिरा दिया। मेरे घुटनों में ऐसी चोट लगी कि मैं आज भी चल नहीं पा रही हूं।

'मुझे फर्जी मुकदमों मे फंसाया गया, मेरी कहीं सुनवाई नहीं हुई'

ललित कहते है? कि मुझे फर्जी मुकदमों मे फंसाया गया मेरी कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई। पुलिस के लोग बजाए न्याय देने के मुझे ही फंसाते रहे। मैं एसपी से मिला, सीओ से मिला थानेदार से मिला। कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई। मुझे हवालात में बंद किया। अपने फ़ार्म हाउस पर मेरी, मेरी मां और पत्नी की पिटाई की गयी।

"बदायूं सांसद आदित्य यादव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि क्या बाबा का बुलडोजर बलात्कारी विधायक के घर तक पहुंचेगा। उन्होंने इस मामले में न्याय की बात कही है। आदित्य यादव ने कहा है कि विधायक के परिजनों ने भी पीड़ित परिवार की बेटियों के साथ बलात्कार किया है।

प्राविधिक शिक्षा मंत्री की भूमिका की जांच के लिए सीएम को लिखा पत्र

» आजाद अधिकार सेना ने लगाया प्रोन्नति में अनियमितता का अरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशिष पटेल पर लगे भ्रष्टाचार के आरापों की जांच के लिए मुख्यमंत्री योगी को पत्र लिखा है।

श्री ठाकुर ने पत्र में लिखा कि प्राविधिक शिक्षा विभाग की प्रोन्नति में हुए भ्रष्टाचार में मंत्री की भूमिका जांच रिटायर्ड जज से करवा कर उन पर उचित

कार्रवाई हो। अधिकार सेना के अध्यक्ष ने बताया कि प्राविधिक शिक्षा विभाग में नियुक्ति होने वाले अध्यापक के पद 100 प्रतिशत लोक सेवा आयोग द्वारा भरे जाते हैं। साथ इसके लिए उन्हें पीएचडी होना जरूरी है या फिर उसे बी टेक या एमटेक डिग्री धारक को 15 साल का अनुभव होना चाहिए। श्री ठाकुर ने कहा ऐसा बताया जा रहा है 9 दिसंबर 24 को 177 अध्यापकों को विशेष सचिव प्राविधिक शिक्षा अजीज अहमद के हस्ताक्षर से निगर्त प्रोन्नति पत्र दिए गए वह नियम विरुद्ध हैं।

एक बार फिर से मौत का कुंआ बनीं सड़क

» विकास नगर में पीएनबी बैंक के पास हुआ गड्ढा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सड़क धसने की घटना एक बार फिर से सामने आई हैं। विकास नगर स्थित पीएनबी बैंक के पास अचानक सड़क धंस गई, जिससे वहां आने-जाने वाले लोग हैरान रह गए। इस हादसे से इलाके में अफरातफरी मच गई, लेकिन सौभाग्य से कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। हालांकि सूचना पाते ही जलकल विभाग ने मरम्मत शुरू करा दिया है।

उधर लोकनिर्माण विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सड़क का निमार्ण नगर निगम द्वारा कराया जाएगा। इस जगह पर सड़क धंसने की घटना पिछले सालों में कई बार हो चुकी है, सड़क के धंसने से यहां यातायात प्रभावित हुआ और वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा, लोक निर्माण विभाग की सड़क कई बार पाताल बन चुकी है।

ट्रैक्टर मार्च निकालकर किसानों ने सरकार को झकझोरा

देशभर में एनडीए सरकार के खिलाफ मार्च निकाल रहे अन्नदाता

» किसानों की मांगों को हल करवाएं तभी खत्म होगा आमरण अनशन : डल्लेवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सरकार से बात न बनने के बाद सोमवार को किसानों की ओर से पंजाब को छोड़कर देश के अन्य राज्यों में ट्रैक्टर मार्च निकाले गए। इसके बाद डल्लेवाल की ओर से राष्ट्रपति को लिखी चिट्ठी की कापियां भी जिला अधिकारियों को सौंपी जाएंगी। बुधवार को सिर्फ पंजाब में दोपहर 12 से तीन बजे तक ट्रेनें रोकी जाएंगी।

फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी समेत कई मांगों को लेकर पिछले 20 दिन से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल से मिलने पंजाब के डीजीपी गौरव यादव, केंद्र से डायरेक्टर

होम अफेयर्स मयंक मिश्रा, पटियाला रेंज के डीआईजी मनदीप सिंह सिद्धू, पटियाला के एसएसपी डॉ. नानक सिंह समेत अन्य अधिकारी खनौरी बॉर्डर पहुंचे। डीजीपी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर केंद्र व पंजाब के अधिकारियों ने डल्लेवाल से अपील की कि वे अनशन खत्म करें। उनकी जान बेशकीमती है। डीजीपी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश के मुताबिक डल्लेवाल को इमरजेंसी चिकित्सा सेवाएं मुहैया कराने के लिए मेडिकल उपकरणों से लैस एंबुलेंस उपलब्ध कराई गई है। अधिकारियों और डल्लेवाल की मुलाकात के संबंध में किसान नेता अभिमन्यू कोहाड़ ने बताया कि डल्लेवाल ने अनशन खत्म करने के लिए इनकार कर दिया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि उनकी चिंता करने के बजाय बातचीत करके किसानों की मांगों को हल करवाएं।

किसान जत्थेबंदियां एक होकर लड़तीं तो बात कुछ और होती : चढ़ूनी

किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी भी रविवार को डल्लेवाल का हाल जानने खनौरी बॉर्डर पहुंचे। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर इस आंदोलन की शुरुआत से ही किसान जत्थेबंदियां एक होकर लड़ती, तो आज बात कुछ और होती। जरूरत है कि सभी जत्थेबंदियों के एक मंच पर इकट्ठा होने की। फिलहाल आंदोलन केवल पंजाब में हो रहा है, इसलिए भी केंद्र सरकार इसे हल्के में ले रही है। चढ़ूनी ने कहा कि किसानों की मांगें जायज हैं और इन्हें बातचीत के जरिये जल्द हल किया जाना चाहिए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।